परिवर्तन के लिए विचारों को बदलें

भिलाई। लीडिंग विद विसडम कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन के पश्चात् भारत भूषण, डॉ. के.आर. कार्तिकेयन, ब्र.कु. ओमप्रकाश, ब्र.कु.मोहन सिघल, एस .चंद्रसेकरन, ब्र.कु. आशा, एस.बी.जगदाले।

भिलाई। कार्यक्रम ब्र.कु. भरत,ब्र.कु.कमलादीदी, का उद्घाटन दीप प्रज्जवलन कर करते हुए डी.आर.कार्तिकेयन, न्यायमूर्ति लालचंद भादू ,छत्तीसगढ सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रदीप जोशी ब्र.कु.ओमप्रकाश तथा अन्य।

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविघालय सेक्टर सात के पीस ऑडिटोरियम में लीडिंग विद विजडम विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सी बी आई के पूर्व निदेशक डी आर कार्तिकेयन शामिल हुए। प्रशासकों व प्रबंधको के लिए हुए इस राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ताओं ने आध्यात्मिकता व प्रशासन के संबंधों को विस्तार से बताया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग माउंट आबू से राष्ट्रीय संयोजक मोहन सिघंल, मुंबई से मैनेजमेंट ट्रेनर प्रों. ईवो स्वामीनाथन, पानीपत से भारत भूषण व बीएसपी के सीईओ एस चंद्रसेकरन ने व्याखान दिए। इस मौके पर सीबीआई के डी आर कार्तिकेयन ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में यदि परिवर्तन लाना है तो सबसे पहले अपने विचारों को बदलना जरूरी है।

दूसरों का भला सोचें

कार्तिकेयन ने कहा कि अगर हम समस्याओं को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें दूसरों के भले के लिए कुछ करना होगा। मूल्यनिष्ठ एवं दैवीय गुणों से युक्त जीवन ही आध्यात्मिकता का सार है। उन्होंने कहा कि आप किसी आध्यात्मिक लीडर से मिलते हैं तो अपने आप में कुछ परिवर्तन महसूस करते हैं। अक्सर यह देखा गया है कि हम अपने से बेहतर व्यक्तित्व से मिलते हैं तो उनके गुणों केा अपने जीवन में उतारने का प्रयास जरूर करते हैं। यदि जीवन में खुशी लाना चाहते हैं तो सुंदर और सकारात्मक विचारों को अपने स्वाभाव में लाना होगा।

लीडर वही जो सिखाए

सम्मेलन में बीएसपी के सीईओ एस चंद्रसेकरन ने कहा कि लीडर वही है जो अपने सहकार्मियों को सिखाए। एक अच्छा लीडर, लीडर तैयार कर मैनेज कर सकता है, वह किसी भी संगठन को तैयार करने की हिम्मत रखता है। उन्होनें कहा कि लीडर एक ऐसा वायुमण्डल तैयार करता है, जिसमें सभी अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। लीडर को हमेशा यर्थात को बढ़ावा देना चाहिए। सम्मेलन में मैनेजमेंट ट्रेनर भारत भूषण ने कहा कि आंतरिक अवस्था पर ही बाहरी कारेबार निर्भर करता है। मन पर काबू नहीं होगा तो अच्छे लीडर नहीं बन सकते । उन्होंने कहा कि नकारातमक व्यर्थ विचारों से मानसिक शक्ति बहुत कम होती है, इसलिए हमें ऐसे विचारों को छोड़ना चाहिए।

ईश्वर को विशेषताएँ पसंद

इस अवसर पर मोहन सिंघल ने कहा कि ईश्वर को विशेषताएं पसंद हैं, जिसमें जितनी विशेषताएं होगी वह उतना ही ईश्वर के समीप होगा। लोगों को आत्मा का ज्ञान नहीं है जो सबसे बड़ी विडंबना है। नेतृत्वकर्ता को हर परिस्थिति में एक समान रहना चाहिए अगर हमारा मन शांत रहेगा तो हम दूसरी परिस्थितियों को शांत कर पाएंगे। भारतीय संस्कृति ने नारी को हमेशा आगे रखा है, जैसे लक्ष्मी-नारायण, राधे-कृष्ण, सीता-राम अगर हम इस ओर गंभीरता से सोचें तो सभी समस्याओं का हल मिल सकता है। उन्होंने कहा कि,जहां फिजिक्स यखत्म होती है वहां मेटाफिजिक्स शुरू होता है। हमारे अंदर जो होगा वहीं हम दूसरों को दे सकते हैं। **ज्ञान के साथ नेतृत्व**

सम्मेलन में ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने कहा कि सही नेतृत्व की विशेषता आध्यात्मिक से ही आ सकती है। ज्ञान के साथ नेतृत्व क्षमता का विकास संभव हैं। उन्होंने कहाकि आज का विषय प्रेरणादायी है, सही नेतृत्व क्षमता का विकास आध्यात्मिकता से ही हो सकता है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में इस्पात नगरी

आबू-अंबाजी दिव्य दर्शन मेंला का भव्य आयोजन

इतिहास में पहली बार

केशोद। इतिहास में पहली बार ''आबू-अंबाजी दिव्य दर्शन मेंला '' का भव्य आयोजन किया गया।जिसमें माउण्ट आबू में ब्रह्माकुमारी विद्यालय में के चारो धाम की यात्रा का मोडल बनाया गया था। साथ मे नक्की लेक आदि को दर्शाया गया। मानो की आबू अरावलीयों की वादियों के सुंदर रम्य स्थान यहाँ उतर आया हो। आठ दिवसीय मेले के दौरान रोज शाम आरती का अयोजन किया जाता रहा। हर रोज शहर के गणमान्य लोग सामूहिक आरती कर शाति में खड़े होकर शांति का दान विश्व को देते यह दृश्य देखते ही बनता था। जहाँ चारों ओर शोरगुल के मध्य असीम शांति का अनुभव मनभावन लगता था। इस आरती के समय शहर के लोग शांति की चाह में बढचढकर लोगो ने भाग लिया। ऐसा आयोजन बार-बार करने को अनुरोध नगरजनों द्वारा किया गया। मेले में स्थनीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रूपा ने आरती का आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालतें हुए कहा कि आज शांति की जरूरत हर मानवमात्र को है। उान्होंने कहाकि इस सृष्टि चक्र की बेला में स्वयं परमात्मा का अवतरण हुआ है। वह सबको मन इच्छित फल देने आया है। आप परमात्मा से संबध जोड अपना भाग्य प्राप्त कर सकते हो। जिसे जीवन में हमेशां के लिए टेन्शन ,अवशाद जैसी मानसिक बीमारीयों से निजात पाने का सुदर समय चल रहा है। ब्र.कु. दमयंति बहन ने कहाकि यह शहर वालों के लिए बहुत ही सुदर अवसर है जिसका लाभ उठाना चाहिए।

केशोद। आबू-अंबाजी दिव्य दर्शन मेंला का उद्घाटन के बाद प्रभु स्मृति मे खड़े विधायक अरविंद लाडाणी, प्रसिद्ध उद्योपति कुरजी धडुक, डेप्युटी इंजीनीयर करंगीया, डॉ.अजुडीया, प्रो. गजेरा, नगरपालिका प्रमुख गोकुल रादडीया, ब्र.कु. दमयंति दीदी,ब्र.कु.रूपाबेन तथा अन्य।

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें।

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।